NBT PAGE 6

LU की 17 अनुवादित पुस्तकों का प्रधानमंत्री ने किया विमोचन

हिंदी, उर्दू और गुरमुखी में किया अनुवाद, दो पुस्तकें केजीएमयू की भी

■ **एनबीटी सं, लखनऊ :** राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तृतीय वर्षगांठ के मौके पर नई दिल्ली में हुए अखिल भारतीय शिक्षा समागम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एलयू की उन 17 पुस्तकों का विमोचन किया जिन्हें अंग्रेजी से हिंदी, उर्दू और गुरमुखी में अनुवादित किया गया है। समागम में प्रधानमंत्री ने पूरे देश से क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित की गईं 100 पुस्तकों का विमोचन किया। इस बीच एलयू के छात्रवासों में स्टूडेंट्स को कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया।

इस बारे में एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू ने 17 पुस्तकें अनुवाद की हैं। इनमें दो पुस्तकें केजीएमयू की हैं। इनका अनुवाद अनुवादिनी सॉफ्टवेयर की मदद से किया गया है। इन पुस्तकों में लैंगिग मुद्दे और मानव अधिकार शिक्षा, शिक्षण और अधिगम में कंप्यूटर, उपभोक्ता व्यवहार और विज्ञापन प्रवंध, उत्तर प्रदेश की गोंड जनजाति के वदलते परिवेश, अफ्रीकी और एशियाई साहित्य, चोर वाजार और दीगर ड्रामे, गंगा की अविरल धारा (आजादी के अमृतकाल में कविताएं और नज्में), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, सिद्धार्थनगर जनपद का पुरातात्विक अंवेषण,

छात्रावासों में छात्राओं ने देखा शिक्षा समागम का कार्यक्रम।

एशियंट इंडियन हिस्ट्री, गर्भ संस्कारःभीतर की एक तीर्थयात्रा, व्यक्तिगत विकासः पश्चिम और पूर्वी प्रतिविंव, पुस्तकालयों के कानूनी प्रतिमान, विष विज्ञान की अवधारणा, फैशिओला जाइजैन्टिक कोवोल्ड, 1855 (सामान्य भारतीय लिवर फ्लुक), टीवी और अस्थमा में योग की भूमिका पुस्तकों का हिंदी, उर्दू और गुरमुखी में अनुवाद किया गया।

बीबीएयू में भी छात्रों ने देखा कार्यक्रम : वीवीएयू में भी शिक्षकों और छात्रों को अखिल भारतीय शिक्षा समागम का ऑनलाइन प्रसारण दिखाया गया। वीवीएयू के वीसी प्रो.संजय सिंह ने वताया कि वीवीएयू राष्ट्रीय शिक्षा नीति के संदर्भ में नोडल अधिकारी है। ऐसे में समागम से काफी सीखने को मिला। इस दौरान रजिस्ट्रार डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, प्राक्टर प्रो. संजय कुमार, प्रो. वीएस भदौरिया शामिल रहे।

डीटीएच चैनलों पर घर बैठे पढ़ाई करेंगे बच्चे

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ :** प्रदेश के वच्चों को घर वैठे पढ़ाई के लिए शनिवार को पांच डीटीएच चैनल शुरू किए गए। ये चैनल डीडी फ्री डिश और डिश टीवी पर निःशुल्क उपलब्ध होंगे। इससे वच्चों की घर वैठे पढ़ाई हो सकेगी, वहीं शिक्षकों को भी पढ़ाई के नए तरीके सीखने का अवसर मिलेगा। एससीईआरटी के निदेशक ने वताया कि भारत सरकार ने पीएम ई-विद्या कार्यक्रम के तहत इन चैनलों की शुरुआत की गई है। यूपी को पांच डीटीएच चैनल मिले हैं। इनमें कक्षा एक से 12 तक के पाठ्यक्रम पर आधारित कक्षा और विषयवार विडियो का प्रसारण किया जाएगा। साथ ही पूर्व प्राथमिक और दिव्यांग वच्चों के लिए भी विडियो प्रसारित किए जाएंगे। इन चैनलों पर 24 घंटे प्रसार किया जाएगा।

ये पांच चैनल मिले : डीडी पीएम ई विद्या यूपी 173, डीडी पीएम ई विद्या यूपी 174 , डीडी पीएम ई विद्या यूपी 175, डीडी पीएम ई विद्या यूपी 176, डीडी पीएम ई विद्या यूपी 177

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में अनुवादित 17 पुस्तकों का लोकार्पण

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रधानमंत्री ने शिक्षा समागम में किया लोकार्पण, विवि के शिक्षकों ने किया है अनुवाद

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ पर नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित सौ पुस्तकों का लोकार्पण किया। इनमें लखनऊ विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों की क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवादित 17 पुस्तकें थीं।

लविवि के शिक्षकों ने एआईसीटीई की ओर से विकसित एप से इनका अनुवाद किया है। 17 पुस्तकों में 15 हिंदी और दो पुस्तकें उर्दू और गुरुमुखी भाषा में अनुवादित की गई हैं। पहले ये सभी पुस्तकें अंग्रेजी में थीं। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल शुरुआत से मातृभाषा में पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध कराने पर जोर दे रही हैं। उनके निर्देशन में लविवि अपनी 17 पुस्तकों का अनुवाद कर पाया है। आगे भी पाठ्यक्रमों की पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद जारी रहेगा। जिन कोर्सों की पुस्तकों का अनुवाद हुआ है, उनमें जंतु विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन, अंग्रेजी, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास, कंप्यूटर साइंस, वूमेन स्टडीज, मनोविज्ञान लाइब्रेरी साइंस व योगा शामिल हैं। लविवि के सभी छात्रावासों में विद्यार्थियों ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम का लैपटॉप पर सजीव प्रसारण देखा।

HINDSUATN PAGE 9

एलयू की 17 पुस्तकों का लोकार्पण

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम में लखनऊ विश्वविद्यालय की भी उपस्थिति रही। समागम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विभिन्न भाषाओं में अनुवादित 100 पुस्तकों का विमोचन किया। जिसमें 17 पुस्तकें लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा लिखी गई है । मूलतः यें पुस्तकें अंग्रेजी में थीं।

i-NEXT PAGE 4

स्टूडेंट्स ने लाइव देखा शिक्षा समागम

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ पर दिल्ली में हुए कार्यक्रम को देखा

LUCKNOW(29 July): राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ के मौके पर शनिवार को नई दिल्ली में हुए कार्यक्रम शिक्षा समागम का लाइव प्रसारण लखनऊ यूनिवर्सिटी के सभी हॉस्टल में दिखाया गया. दो दिनों तक चलने वाले इस प्रोग्राम के पहले दिन प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी ने अखिल भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया. इस मौके पर इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग अलग भारतीय भाषाओं में अनुवादित 100 किताबों का विमोचन किया, जिसमें 17 पुस्तकें लखनऊ यूनिवर्सिटी के शिक्षकों ने लिखी हैं. मूलत: ये पुस्तकें अंग्रेजी में थीं जिसका अनुवाद एआईसीटीई की ओर से विकसित किए गए अनुवादिनी सॉफ्टवेयर की मदद से की गई है.

वीसी के मार्गदर्शन में काम

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने वताया कि राज्यपाल आनंदीवेन पटेल के मार्गदर्शन में विगत 8-9 जुलाई को आयोजित शिक्षा मंथन कार्यक्रम में एक विशेष सत्र अनुवादिनी सॉफ्टवेयर पर आधारित था. जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों प्रो. अलका मिश्रा व प्रो. आरपी सिंह को विश्वविद्यालय द्वारा भागीदारी के लिये नामित किया गया था. 17 पुस्तकों का अनुवाद पुस्तक लेखकों द्वारा वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में किया गया.

इन विषयों की पुस्तकें

यह अनुवादित पुस्तकें जंतु विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य एवं प्रवंधन शास्त्र, अंग्रेजी, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास, कम्प्यूटर साइंस, वूमेन स्टडीज, मनोविज्ञान, लाइब्रेरी साइंस, योगा विषयों की है.

वीसी ने किया वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

LUCKNOW(29 July): एलयू में स्थित एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी के वार्षिक आयोजन कैलेंडर का विमोचन वीसी प्रो. डॉ. आलोक कुमार राय ने किया. उन्होंने सोसाइटी द्वारा कराए गए कार्यक्रमों की प्रशंसा की साथ ही भविष्य में होने वाले कार्यक्रमों के लिए शुभकामनाएं भी दीं. अनुमोदन कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह , छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डॉ. पूनम टंडन एवं विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. बीडी सिंह ने किया. प्रो. डॉ. बीडी सिंह ने बताया एडीआर ड्राफ्टिंग एवं लिटरेरी सोसायटी संकाय की सर्वाधिक सक्रिय कमेटी में से एक है. इस दौरान सोसाइटी प्रेसिडेंट आरजू नायाब, कन्वीनर अंकित राय व ज्वाइंट कमिश्नर हिमांशु सिंह मौजूद रहे.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों ने देखा पीएम मोदी का सजीव प्रसारण

लखनऊ (एसएनबी)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तृतीय वर्षगांठ के शुभ अवसर पर 29-30 जुलाई, 2023 की अवधि में नई दिल्ली में आयोजित 'अखिल भारतीय शिक्षा समागम' का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया। इसका सजीव प्रसारण लखनऊ विश्वविद्यालय के सभी छात्रावासों की छात्र-छात्राओं ने उत्साह पूर्वक देखा।

इस अवसर पर श्री मोदी ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवादित 100 पुस्तकों का विमोचन किया, जिसमें 17 पुस्तकें लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यापकों द्वारा लिखी गई थी। मूलतः ये पुस्तकें अंग्रेजी में थी जिसका अनुवाद एआईसीटीई द्वारा विकसित किए गये अनुवादिनी सॉफ्टवेयर की मदद से की गई। राज्यपाल श्रीमती आनन्दीवेन पटेल के मार्गदर्शन में विगत 8-9 जुलाई को आयोजित 'शिक्षा मंथन' कार्यक्रम में एक विशेष सत्र अनुवादिनी सॉफ्टवेयर पर आधारित था जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों प्रो अलका मिश्रा तथा आर पी सिंह को विश्वविद्यालय द्वारा भागीदारी के लिये नामित किया गया था।

इस प्रकाशित 17 पुस्तकों का अनुवाद पुस्तक लेखकों द्वारा कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में किया गया। यह अनुवादित पुस्तकें जन्तु विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य एवं प्रवंधन शास्त्र, अंग्रेजी, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास, कम्प्यूटर साइंस, वूमेन स्टडीज़, मनोविज्ञान, लाइब्रेरी साइंस , योगा विषयों की है। इन पुस्तकों से ना केवल हिन्दी भाषीय छात्र-छात्राओं को लाभ होगा अपितु उनमें मातृ भाषा के प्रति गौरव की भी अनुभूति होगी।

JAGRAN CITY PAGE I

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में लखनऊ विश्वविद्यालय की दिखी चमक

जासं, लखनऊ: नई शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई पर जोर दिया जा रहा है। इसके लिए विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है कि वह तकनीकी, विज्ञान सहित हर विषय की पुस्तकें मातृभाषा में लिखें और अनुवाद करें। इस ओर कदम बढ़ाते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) ने अंग्रेजी से मातृभाषा में 15 पुस्तकों का अनुवाद किया है। शनिवार को नई दिल्ली में अखिल भारतीय शिक्षा समागम में इन पुस्तकों का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विमोचन किया। समागम में पूरे देश के विश्वविद्यालयों से 100 अनुवादित पुस्तकों का विमोचन हुआ। इसमें 17 पुस्तकें लविवि के शिक्षकों द्वारा अनुवादित हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने इन पाठ्य पुस्तकों के अनुवाद के लिए एआइसीटीई से विकसित अनुवादनी साफ्टवेयर की मदद ली। इसमें कोई गलती न हो और मातृभाषा के भाव से अनुवाद हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया। पाठ्य पुस्तकों के अनुवाद की प्रक्रिया भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष पद्मश्री चामू कृष्ण शास्त्री की देखरेख में किया जा रहा है। अंग्रेजी से अनुवादित पुस्तकें जंतु विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य और प्रबंधन शास्त्र, अंग्रेजी, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास, कंप्यूटर साइंस, वूमेन स्टडीज, मनोविज्ञान, लाइब्रेरी साइंस, योग से संबंधित हैं। केजीएमयू के डा. सूर्यकांत की अनुवादित दो पुस्तकों को भी लवि की सूची में शामिल किया गया है। समागम में गए कुलपति प्रो. आलोक राय ने बताया कि मातृभाषा में अनुवादित इन पुस्तकों का लाभ हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों को मिलेगा। साथ ही उनमें मातृ भाषा के प्रति गौरव की अनुभूति होगी। रविवार को समागम में पांच इंटरनेशनल एमओयू होने वाला है। इसमें लवि दो एमओयू ब्राजील और मलेशिया की यूनिवर्सिटी से करेगा।

ये पुस्तकें अनुवाद करके हुई तैयार

- लैंगिक मुद्दे और मानव अधिकार शिक्षा- डा. किरन लता डंगवाल - डा. सुनीता सुद्रियाल
- शिक्षण और अधिगम में कंप्यूटर - डा. किरन लता डंगवाल
- उपभोक्ता व्यवहार और विज्ञापन प्रबंध - डा. अनूप कुमार सिंह - दुर्गेश सिंह
- उत्तर प्रदेश की गोंड जनजाति के बदलते परिवेश- डा. केया पांडेय
- आफ्रीकी और एशियाई साहित्य - प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह
- चोर बाजार और दीगर ड्रामे- प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह
- गंगा की अविरल धारा- प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह
- गंगा की बहती धारा आजादी के अमृत काल में- प्रो. रवींद्र प्रताप सिंह
- आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस- डा. सुमन कुमार मिश्रा, डा. शोभित शुक्ला- डा. अमित मिश्रा
- सिद्धार्थनगर जिले के पुरातात्विक अन्वेषण- डा. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव
- गर्भ संस्कार भीतर की एक तीर्थयात्रा- डा. अर्चना शुक्ला
- व्यक्तिता विकास, पश्चिमी और पूर्वी प्रतिबिंब- डा. अर्चना शुक्ला- डा. अमरीन फातिमा
- पुस्तकालयों के कानूनी प्रतिमान- डा. प्रविश प्रकाश
- विष विज्ञान की अवधारणाएं - प्रो. ओमकार
- सामान्य भारतीय लिवर फ्लुक- प्रो. निरूपमा अग्रवाल - प्रो. केसी पांडेय
- टीवी- डा. सूर्यकांत- (केजीएमयू)
- अस्थमा मे योग की भूमिका- डा. सूर्यकांत।

VoL PAGE 3

पीएम ने किया 100 अनुवादित पुस्तकों का विमोचन, 17 पुस्तकें लविवि की

लखनऊ। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की तृतीय वर्षगांठ के अवसर पर शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम में वतौर मुख्य अतिथि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उद्घाटन किया।

इसका सजीव प्रसारण लविवि के सभी छात्रावासों की छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक देखा। इस अवसर पर मोदी ने विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवादित 100 पुस्तकों का विमोचन किया, जिसमें 17 पुस्तकें लविवि के अध्यापकों द्वारा लिखी गई थीं।

मूलतः यें पुस्तकें अंग्रेजी में थीं जिसका अनुवाद एआईसीटीई द्वारा विकसित किए गये अनुवादिनी सॉफ्टवेर की मदद से की गयी। राज्यपाल आनन्दीवेन पटेल के मार्गदर्शन में विगत 8-9 जुलाई को

आयोजित शिक्षा मंथन कार्यक्रम में एक विशेष सत्र अनुवादिनी सॉफ्टवेर पर आधारित था जिसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के दो शिक्षकों प्रो अलका मिश्रा तथा प्रो आरपी सिंह को विश्वविद्यालय द्वारा भागीदारी के लिए नामित किया गया था।

इन प्रकाशित 17 पुस्तकों का अनुवाद पुस्तक लेखकों द्वारा कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में किया गया। यह अनुवादित पुस्तकें जन्तु विज्ञान, शिक्षा शास्त्र, वाणिज्य एवं प्रबंधन शास्त्र, अंग्रेजी, मानव विज्ञान, प्राचीन भारतीय इतिहास, कम्प्यूटर साइंस, वूमेन स्टडीज, मनोविज्ञान, लाइब्रेरी साइंस , योगा विषयों की हैं। इन पुस्तकों से ना केवल हिन्दी भाषीय छात्र-छात्राओं को लाभ होगा अपितु उनमें मातृ भाषा के प्रति गौरव की भी अनुभूति होगी।

TOI PAGE 6

Modi releases books translated by LU profs

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Prime Minister Narendra Modi unveiled around 100 books translated in various Indian languages, including 17 done by Lucknow University teachers, in New Delhi on Saturday during Akhil Bhartiya Shiksha Samagam to celebrate third anniversary of the New Education Policy.

Maximum four books have been translated by Prof RP Singh of the department of English and Modern European Languages, two each by Archana Shukla of psychology department, Dr Suryakant (yoga and medical science) and Kiran Lata Dangwal of the education department, and one each by Durgesh Kumar Srivastava by Ancient India History and archaeology, Prof Omkar (zoology), Anoop Kumar Singh (commerce and management), Suman Kumar Mishra and Shobhit Shukla of computer science, Pravish Prakash (library science), Keya Pandey (anthropology) and Prof Pravish Prakash (library science).

LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai said: "These translated books not only benefit Hindi-speaking students but also foster a sense of pride in their language. The rich content and knowledge presented in these books will undoubtedly contribute to the holistic development of the students."